System Psy.

Dr. Sunil Kr. "Suman"
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology.
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II(H)
Paper – IV
Date:– 6-11-20
DO-Next-class

Humanistic Psychology.

Contribution of Maslow

(3) स्नेह एवं सदस्यता की आवश्यकता (Love and belongingness need):– जब व्यक्ति की दैहिक आवश्यकता एवं सुरक्षा की आवश्यकता की तुष्टि हो जाती है, तो उनका व्यवहार स्नेह एवं सदस्यता (belongingness) की आवश्यकता द्वारा तुष्टि होने लगता है। इस श्रेणी की आवश्यकता में दोस्ती की आवश्यकता, समूह के सदस्यता की आवश्यकता, अपने परिवार के व्यक्तियों का स्नेह देने की आवश्यकता सम्मिलित होती है। एक साथी जैसे पत्नी या पति की आवश्यकता भी इसी श्रेणी की आवश्यकता है। मैस्लो का मत है कि स्नेह की आवश्यकता की तुष्टि के बिना बच्चे एवं वयस्क के व्यक्तित्व का विकास संभव नहीं है। वैसे वयस्क जिनकी इस आवश्यकता की तुष्टि नहीं हो पाती है, उनका अन्तर वैयक्तिक संबंध (Interpersonal Relationship) दोषदर्शी (cynical) तथा आत्म-पराजित (Self-defeating) होता है।

(4) सम्मान की आवश्यकता (Esteem need):– जब उपर्युक्त तीनों तरह की आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाती है, तो व्यक्ति में सम्मान की आवश्यकता की उत्पत्ति होती है। इन आवश्यकताओं

Scanned with CamScanner

में आवश्यकता के दो सेट (set) होते हैं - पहले सेट में शक्ति की आवश्यकता (need for strength) आत्म-विश्वास, स्वतंत्रता, सामर्थ्यता (competence) की आवश्यकता आदि सम्मिलित होती है। दूसरे सेट में प्रतिष्ठा, प्रभुत्व, प्रशंसा, लोकप्रियता पाने आदि की आवश्यकता सम्मिलित होती है। दूसरे श्रेणी की आवश्यकताओं की उत्पत्ति पहले सेट की आवश्यकताओं से होती है। मैसलो (Maslow-1970) ने यह भी बतलाया है की आत्मसम्मान की आवश्यकता की तुष्टि होने से व्यक्ति में आत्म-विश्वास, शक्ति, योग्यता (worth) आदि की भावना उत्पन्न होती है और इस आवश्यकता की तुष्टि किसी कारण से नहीं होती है तो इससे व्यक्ति में हीनता या कमजोर होने आदि का भाव उत्पन्न हो जाता है। मैसलो के सम्मान आवश्यकता को अल्फ्रेड एडलर के संप्रत्यय श्रेष्ठता की प्रयास (Striving for superiority) तथा इरिक इरिक्सन के संप्रत्यय प्रवीणता की आवश्यकता के तुल्य माना गया है।

Next class